हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

8 फरवरी, 1999

खण्ड 1, अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 8 फरवरी, 1999

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)1
राज्यपाल से सन्दे ा	(8)17
बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट पे ा करना	(8)17
वर्श 1999–2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)19
बिल्जः–	
(i) दि पंजाब विलेज कॉमन लैण्ड्ज (रैगुले ान) हरियाणा अमैंडमैंट बिल, 1999	(8)25
(ii) दि हरियाणा लोकपाल (अमैंडमैंट) बिल, 1999	(8)27
(iii) दि पंजाब ऐक्साइज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1999	(8)28
(iv) दि पंजाब वेयरहाउसिंग (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1999	(8)29
(v) गुरू जम्भे वर यूनीवर्सिटी, हिसार (अमैंडमैंट) बिल, 1999	(8)31

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 8 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में मध्याह्न प चात् 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

तारांकित प्र न संख्या 814

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री देवराज दीवान सदन में उपस्थित नहीं थे।)

तारांकित प्र न संख्या 940

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री रामफल कुण्डू सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Providing of Service Lane

***859. Sh. Anil Vij:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government, to construct service lanes on either side of the Ambala-Jagadhri State highway from Civil Hospital to Mahesh Nagar at Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which aforesaid service lane is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): नहीं, श्रीमान् जी।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने हाउस में बताना चाहूंगा कि अम्बाला–जगाधरी रोड पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा रहता है और यह रोड भाहर के बीचों बीच में से हो कर जाता है तथा सिविल अस्पताल से ले कर महे ा नगर तक इस सड़क के दोनों ओर कई एजुके ानल और दूसरे इंस्टीच्यूटस है, जैसे व्लाइंड इंस्टीच्यूट है, एस0डी0 कालेज है, डी0ए0वी0 कालेज है कुछ स्कूल भी हैं दूसरे भाब्दों में कहा जाये तो यह एक्सीडैंट प्रोन एरिया है। इस रोड पर हर रोज अनेकों दुर्घटनाएं होती हैं, मैंने इस बारे में पहले भी सवाल पूछा था कि क्या इस पर कोई बाई पास बनाने का प्रस्ताव है तो उसका जवाब नहीं में मिला था। मैंने अपने सवाल में यह कहा था कि इस रोड से कोइ बाई पास बना कर सीधे टांगरी तक रोड़ निकाला जाए तो उसका जवाब नहीं में मिला था और आज इस पूछे गये प्र न का जवाब भी नहीं में मिला है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जनता को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए वहां पर पी0डब्ल्यू0डी0 क्या कारगर कदम उठाने जा रही है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जिस सर्विस लाईनिग की बात माननीय साथी अनिल विज जी कर रहे हैं, इस बारे में मैं इन को बताना चाहूंगा जैसे आपको भी पता है इस समय हरियाणा में जो सड़कें हैं उनकी हालत ज्यादा ठीक नहीं है इसलिए हमारे डिपार्टमैंट की कोि ा ा है कि पहले हम प्रदे ा में उन तमाम टूटी हुई सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक करवा लें और उसके बाद प्रदे ा में जो अन्य काम हैं, वे करवाए जाएं। जैसे अनिल विज ने सर्विस लाईन के बारे मे पूछा है उसके लिए 29–30 लाख रूपये लगने की सम्भवना है इसलिए इस वर्श या अगले वर्श तक यह सर्विस लेन बनाने का कोई विचार नहीं है। जहां तक इनका यह कहना है कि यहां पर एक्सीडैंट्स का डर रहता है उसके लिए सैंटर वर्ज जो कि सड़क को बीच से विभाजित करता है और सैंटर वर्ज की विज साहब की मांग भी है, उसके बारे में हम विचार करेंगे।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि अभी सड़कों की मुरम्मत के लिए काफी काम किया जा रहा है और मैंने जिस सड़क के बारे में प्र न किया था उसके बारे मंत्री जी ने बतायसा कि सैंटर वर्ज बनाने के बारे विचार किया जा रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वह सैंटर वर्ज बनाने का विचार ही किया जा रहा है या सैंटर वर्ज बनाने का निर्णय डिपार्टमैंट ने ले लिया है ? यदि इसको बनाने का निर्णय ले लिया गया है तो कब तक यह बन जाएगा ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय श्री अनिल विज जी को बताना चाहूंगा कि सैंटर वर्ज पर भी हम अभी विचर ही कर रहे हैं और यह विचार इसलिए किया जा रहा है क्योंकि कई भाहरों में हमने अनुभव किया है कि सैंटर वर्ज ट्रैफिक को स्मूथली चलने में उल्टा रूकावट साबित होता है इस समस्या के चलते कई भाहरों में सैंटर वर्ज जो बने हुए थे, उनको उखाड़ना पड़ा है। सैंटर वर्ज बना कर भी भायद इनकी समस्या समाप्त नहीं होगी। इसलिए मैंन अभी डिपार्टमैंट को यह कहा है कि वे इस बात को देंखे कि सैंटर बर्ज ट्रैफिक को समूथ चलाने में कितना लाभदायक होता है। इस बारे में निर्णय हो जाने के बाद ही इसको बनवाने के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से अन्तिम प्र न यह है कि ये सर्विस लेन भी नहीं बनवा रहे हैं, बाई पास और सैंटर वर्ज भी अभी नहीं बनवा रहे हैं तो क्या मंत्री जी सैन्टर कारपेंटिंग के लिए कुछ विचार कर रहे हैं ? अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही ये अम्बाला रेलवे स्टे ान से टांगरी ब्रिज तक सड़क रिपेयर करने के बारे में भी बताएं ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है कि मौसम हमारा साथ देता तो हम भाायद इसको ठीक भी करवा देते। पिछले महीनों में बारि ा होती रही और ठंड भी काफी रही जिस वजह से इसका काम नहीं हो पाया था। अध्यक्ष

महोदय, जहां तक सड़कों की मरम्मत का सवाल है, सड़कों की मरम्मत अव य करवायेंगे। अध्यक्ष महोदय, इनका एक प्र न यहां पर नहीं लग पाया था। हम साहा से भााहबाद तक सड़क बनवा रहे हैं उससे हाई–वे पर पंजाब से जो हैवी ट्रैफिक आता है, उसका र ा नि यत तौर पर कम हो जाएगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, भिवानी जिले में 1995 में जो बाढ़ आई उस बाढ़ से खासकर भिवानी की सड़के जो गांवों में जाती है वे बुरी तरह से टूट गई थीं, तहस नहस हो गई थी, उनको आप उदारता दिखाते हुए कब तक रिपेयर करवा देंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमारे विभाग ने एक कार्यक्रम बनाया है कि राज्य में जितनी भी सड़कें हैं पहले वे रिपेयर करवानी हैं। अध्यक्ष महोदय, जितने भी स्टेट हाई–वे हैं, वे चाहे कहीं भी हों, उनको प्राथमिकता के अधार पर ठीक करवाएंगे। एम0डी0आर0 भी हम ठीक करने जा रहे हैं। ये जो विलेज लिंक रोड्ज हैं जो बाढ़ आने की वजह से बुरी तरह टूट गई थी चाहे वे भिवानी, रोहतक, जीन्द या कैथल में हो, उनकी रिपेयर की मुख्यमंत्री जी से इजाजत लेकर आने वाले मार्च में उन्हें ठीक करवाने के बारे में विचार करेंगे। अभी हमारा स्अेट हाई–वे, एम0डी0आर0 और पांच सौ किलोमीटर ओ0डी0आर0 का काम करने का विचार है।

श्री ओम प्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इन्होंने भिवानी जिले के बारे में वि वास दिलाया है कि जितनी भी रोड्ज हैं वे रिपेयर हो जाएंगी। अध्यक्ष महोदय, मैं जब अपनी कांस्टीयूएंसी में जाता हूं तो मुझे अपनीी पैंट ऊपर करके जाना पड़ता है क्योंकि वहां की सड़कें टूटी पड़ी हैं और उन सड़कों पर पानी खड़ा रहताा है। वहां पर चार–पांच सड़कें जैसे जाटन, औटनी इत्यादि हैं क्या मंत्री जी उनको भी ठीक करवाने का आ वासन देंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से जैन साहब को बताना चाहूंगा कि मैंने अभी जो विलेज लिंक रोड्ज के बारे में बताया है वह केवल भिवानी जिले के बारे में नहीं बल्कि पूरे प्रदे ा के बारे में बताया है। हम एम0डी0आर0 और 500 कि0मी0 ओ0डी0आर0 को ठीक करने की को ि ा ा कर रहे हैं। आपने जिस गांव का नाम लिया है मैं पहले ही कह चुका हूं कि हमने विलेज लिंक रोड्ज को ठीक करने का काम अभी ाुरू नहीं किया है क्योंकि पैसे की बहुत भारी कमी है साथ ही मौसम भी हमारा इस मामले में बिल्कुल साथ नहीं दे रहा है कभी बारि ा आ जाती है कभी कुछ और हो जाता है। स्पीकर सर, आने वाले मार्च के बाद हम गांवों की लिंक रोड्ज को ठीक करने की को ि ा ा करेंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः स्पीकर सर, जिन गांवों की रोड्ज बिल्कुल खराब हो चुकी हैं और जहां पर लोगों को गन्ना

ले जाने में भी काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है वहां की लिंक रोड्ज को क्या मंत्री जी प्रायोरिटी बेसिज पर बनाने की कोि ा ा करेंगे क्योंकि भाुगर मिल्ज में गन्ना देना तो टाईम बाउंड होता है और मार्चा के बाद तो गन्ने का सीजन खत्म सा हो जाएगा ?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, माननीय बिजेन्द्र सिंह कादयान जी ने ठीक ही कहा है इसलिए हमारे विभाग ने गन्ने का सीजन भाुरू होने से पहले ही कॉपरेटिव भाुगर मिल्ज एवं प्राईवेट भाुगर मिल्ज के एम0डीज0 की एक मीटिंग बुलायी। हमने इस बारे में इन एम0डीज0 को भी व हर जिले के डी0सीज0 को भी कहा है। जहां जहां पर भी भाुगर मिल्ज हैं वहां के गांवों की लिंक रोड्ज को हमने प्राथमिकता के आधार पर ठीक करने की कोि ा ा की है फिर भी अगर इनके इलाके की कोई इस तरह की रोड जो भाूगर मिल को जाती है, वह ठीक नहीं हुई है तो उसके बारे में ये मुझे बता दें हम उसको ठीक कर देंगे।

Opening of Government College for Women at Charkhi Dadri

***970. Sh. Sat Pal Sangwan:** Will the Minister for Education be pleased to state:-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government College for Women at Bhiwani, and Charkhi Dadri;

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नहीं होता।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, पता नहीं ि ाक्षा मंत्री जी हमारे से इतना खु ा क्यों रहते हैं कि हर सवाल का जवाब 'न' में ही देते हैं इन पीने तीन साल में मैंने यहां पर जो भी क्वै चन पूछा है उसके जवाब में इन्होंने 'न' ही की है। ये तो उस इलाके से गुजरते रहते हैं इसलिए कभी तो इनको हमारे बारे में सोचना चाहिए। दादरी और भिवानी के एरिया में ज्यादातर मिलिट्री के सर्विस वाले लोग रहते हैं और इनके बच्चे इनके साथ जा नहीं सकते इसलिए उनकी लड़कियों को स्कूल आने जाने में बड़ी भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है वहां पर कोई भी राजकीय महिला कालेज नहीं है तो क्या मंत्री जी इस बारे में दोबारा सोचेंगे?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, सांगवान साहब ने यह जानना चाहा है कि इस समय चरखी दादरी में कोई राजकीय महाविद्यालय नहीं है तो क्या वहां पर यह माहविद्यालय खोला जाएगा। मैं इनको बताना चाहूंगा कि भिवानी जिले में इस सयम 12 महाविद्यालय चल रहे हैं जिनमें से 5 महाविद्यालय ऐसे हैं

जो सरकारी नहीं है बल्कि जिनको प्राईवेट संस्थाएं चलाती हैं। दादरी में ही तीन महाविद्यालय इस समय चल रहे हैं। भिवानी जिले में 5 राजकीय महाविद्यालय, इस तरह से हैं – राजकीय महाविद्यालय भिवानी, राजकीय ि ाक्षण महाविद्यालय, भिवानी, राजकीय महाविद्यालय, लोहारू, राजकीय महाविद्यालय, बौंदकलां, राजकीय महाविद्यालय, सिवानी और गैर सरकारी महाविद्यालय इस तरह से हैं–वै य कालेज, भिवानी, आद र्ा महिला महाविद्यायल, भिवानी, के0एस0 ि ाक्षण महाविद्यालय, भिवानी, जे0बी0एम0जी0आर0आर0 कालेज चरखी दादरी, ए0पी0जे0 सरस्वती कन्या महाविद्यालय, चरखी दादरी, सरस्वती ि ाक्षण महाविद्यालय चरखी दादरी, वी0एल0जे0 सूईवाला, तौ ााम। फिर भी यदि विधायक साहब वहां पर और राजकीय महिला कालेज की आव यकता महसूस करते हैं तो हमें ये वहां पर कोई जगह दे दें या भवन के बारे में बताएं। इसके बाद वहां पर राजकीय महिला महाविद्यालय बनाने के बारे में हम विचार करेंगे?

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, बिल्डिंग बनवाने के लिए तो हमारे हल्के में लोगों के पास इतना पैसा नहीं है, हां जगह जयर दिला देंगे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, सांगवान साहब से तो मेरी बहुत हमदर्दी है मैं अपनी स्कूल ऐजूके ान के समय छठवीं व सातवीं क्लास में इनके हल्के में भागवीं में पढ़ता रहा। उस विद्यालय और वहां की ि ाक्षा के बारे में तो मैं बहुत अच्छी

तरह से जानता हूं। ये जमीन जिससे दिलाएंगे उससे हम भवन के बारे में भी बात करेंगे।

सतपाल सांगवानः भागवीं में आप पढ़े हैं वहां के मिडिल स्कूल को हई में बदलने की तो हां भर दें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, भागवीं के गवर्नमैंट मिडिल स्कूल को हम अगले सत्र में गर्ल्स हाई स्कूल में अपग्रेड करेंगे और जिस स्कूल में मैं पढ़ा हूं उसको पहले ही अपग्रेड करके हाई का दर्जा दे चुके हैं।

श्री अध्यक्षः ि ाक्षा मंत्री जी, कालेजों की संख्या का सवाल है वह पोजी ान तो आपकी उंगलियों पर है लेकिन भिवानी का जहां तक संबंध है भिवानी में दस गर्ल्स कालेज हैं लेकिन दाखिले के समय वहां आम लड़कियों को दाखिला मिलना मु िकल हो जाता है दाखिला न मिल पाने की वजह से भिवानी की कुछ लड़कियां दादरी जारकर दाखिला लेने को मजबूर हो जाती हैं क्योंकि वहां एक कालेज है और किसी एक आदमी की वहां मोनोपली है। वास्तव में दादरी और भिवानी दो ऐसे स्थान हैं जहां कालेज तो हैं लेकिन गवर्नमैंट के कालेज ज्यादा नहीं हैं। भिवानी और दोनों ही और वि ोश रूप से भिवानी एक ऐसी जगह है जहां गवर्नमैंट के और वि ोशतः वीमेन कालेज की बड़ी आव यकता है। क्या आप कोई आ वासन देंगे जिससे कालेज की स्थापना वहां भीघ्र हो सके?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आपका तो आदे ा है हम आपके आदे ा की पालना करेंगे। जैसे बौंद में आपने भवन बनवाकर दिया। दादरी के लिए सतपाल सांगवान जी का यह कहना ठीक नहीं है कि वहां पैसे वाले नहीं हैं सेठ नहीं हैं। रासीवासिया एक परिवार ने एक महाविद्यालय के लिए भवन बना के दिया। सतपाल सांगवान जी जमीन उपलब्ध करवाएं, भवन बनवाकर दें, हम जरूर विचार करेंगे।

श्री सोमबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि भिवानी के दादरी और मेहम रोड पर स्थित विद्या नगर कालोनी में कोई प्राइमरी स्कूल नहीं है जबकि वहां आबादी बहुत ज्यादा है क्या मंत्री जी वहां प्राइमरी स्कूल बनाने बारे आ वासन देंगे?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जहां भी 50 बच्चे उपलब्ध होते हैं हम वहां ब्रांच स्कूल खोल देते हैं। सोमबीर जी, आप इस बारे में लिखकर दे दें हम विद्या नगर कॉलोनी, भिवानी में भी ब्रांच स्कूल खोल देंगे।

श्री जगदी ा नेयर: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेरा हसनपुर ऐसा हल्का है कि वहां न तो लड़कों की और न ही लड़कियों की पढ़ाई की व्यवस्था है। यदि हसनपुर में एक महाविद्यालय खोलने का प्रबन्ध किया जाए तो मैं आभारी होऊंगा।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, जगदी ा नेयर जी का बृज का इलाका है वहां तीन करोड़ रुपये की 15 एकड़ जमीन है उस बारे वहां के लोगों की कोई कमेटी बनाकर उस पर भवन बनवर दें तो आपके हसनपुर में भी कॉलेज खोलने के लिए विचार किया जा सकता है। आप इस बारे में हम से विचार विर्म ा करें।

श्री जगदी ा नेयरः ठीक है जी।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इसराना में कॉलेज की इमारत बन कर तैयार हो चुकी है क्या अगले सत्र से वहां कक्षायें आरम्भ करने पर विचार करेंगे क्योंकि यह आ वासन माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी वहां पर एक जनसभा में दिया था।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने सही फर्माया है, वहां पर स्थानीय लोगों की एक संस्था बनाकर सहयोग लेकर कॉलेज के लिए भवन बनाया गया है और मुख्यमंत्री जी के आ वासन के मुताबिक अगले सत्र से वहां पर कक्षायें आरम्भ कर दी जायेंगी।

तारांकित प्र न संख्या – 920

(इस समय माननीय सदस्य श्री नफे सिंह राठी सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्र न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्र न संख्या – 901

(इस समय माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्र न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्र न संख्या – 931

(इस समय माननीय सदस्य श्री रमे । कुमार खटक सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्र न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्र न संख्या – 951

(इस समय माननीय सदस्य राव नरेन्द्र सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्र न पूछा नहीं गया)

Tubewells out of order

***972. Shri Om Parkash Jain:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) Whether it is a fact that the tubewells of the following Colonies of Panipat are not functioning:-

(i) Virat Nagar;

(ii) Ekta Vihar;

(iii) Ugra Kheri;

(iv) Krishan Pura;

(v) New Model Town;

(vi) Ashok Vihar (Noorwala);

(vii) New Ramesh Nagar (Bichhpuri);

(viii) Gita Colony (Noorwala);

(ix) Rajiv Colony (Ward No. 10);

(x) Batra Colony (Ward No. 1); and

(b) if so, the reasons thereof together with the time by which these are likely to be made functional?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) केवल 5 कालोनियां विराट नगर, कृश्ण पुरा, नया माडल टाऊन, राजीव कालोनी और बतरा कालोनी पानीपत भाहर के भाग हैं। सभी 5 नलकूप जोकि इन कालोनियों के लिए लगाए गये थे नये नलकूप हैं जिनमें से राजीव कालोनी का एक नलकूप 9/98 में चालू कर दिया गया था। बाकी 4 नलकूपों का कार्य प्रगति पर है।

अन्य 5 कालोनियां एकता विहार, उग्रा खेड़ी, अ ोक विहार, नया रमे ा नगर तथा गीता कालोनी ग्रामीण क्षेत्र का भाग है। उग्रा खेड़ी का नलकूप 9/95 से कार्य कर रहा है। बाकी अन्य 4 नलकूप नये नलकूप ह। जिनमें से गीता कालोनी का एक नलकूप 11/98 में चालू कर दिया गया है। अन्य 3 नलकूपों पर कार्य प्रगति पर है।

(ख) भोश 7 नलकूपों का कार्य पर्याप्त धन राि ा उपलब्ध होने पर दिसम्बर, 1999 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

श्री ओम प्रका ा जैन: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वहां पर तो अभी नल ही खड़े हैं इसके अलावा न तो वहां कोई म ीन लगी है और न ही कोई कनैक ान दिया गया है। राजीव कालोनी में तो एक नल चालू है और कृश्ण पुरा में दो नलकूप जो एम0पी0 कोटे से लगाये गये थे, उनको चालू करने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की गई है दूसरा मॉडल टाऊन के नलकूपों की अभी तक सिक्योरिटी भी जमा नहीं की गई है। जब महकमें से इस बारे में पूछा जाता है तो वे कह देते हैं कि हमारे पास पैसे की कमी है। उस इलाके में चार नलकूप हैं जिनमें से एक ही नलकूप चालू है। राजीव कालोनी में तो टयूबवैल को अभी तक कनैक ान नहीं दिया गया है। विभाग से जब इस बारे में पूछा जाता है तो कहते हैं कि म्यूनिस्पिल कमेटी से एन0ओ0सी0 लाओ। म्यूनिस्पिल कमेटी वाले एन0ओ0सी0 देते नहीं। ये कालोनियां 15–20 साल से पहले की बसी हुई हैं। वहां के लोग इस बारे में पैसा देने के लिए तैयार हैं वे कहते हैं कि अगर एन0ओ0सी0 मिल जाता तो है हमें 400/– रुपये भरने पड़ेंगे एन0ओ0सी0 नहीं मिलती तो हमें 1500/– रुपये भरने पड़ेंगे। अध्यक्ष महोदय, वहां की कमेटी को बनाने का हमें कोई लाभ नहीं मिल रहा है। कमेटी को ऐसे आदे ा दिए जाने चाहिए कि यदि कोई आदमी सारी कागजी कार्यवाही पूर्ण कर दे तथा फीस वगैरह भी जमा करवा दे तो उसको तुरन्त ही कनैक ान मिल जाना चाहिए। इसके अलावा चार इलाके ऐसे हैं, जहां पर कनैक ान लेने के लिए अभी तक कोई सिक्योरिटी नहीं

भरी गई है। भाहर से बाहर के इलाकों की जहां तक बात है, मैं बताना चाहता हूं कि अ ोक विहार में तो चुनावों से पूर्व ही ट्यूबवैल लगा हुआ है, वहां पर म ीन पहले से ही लगी पड़ी है, लेकिन उसके कनैक ान के लिए अभी तक कोई सिक्योरिटी नहीं भरी गई है। मुख्य खर्चा तो ट्यूबवैल लगाने का ही होता है। इसलिए जहां पर पहले से ही ट्यूबवैल वगैरह लगे हुए हैं, उनकी सिक्योरिटी जो कि मात्र 10 या 12 हजार रुपये ही होती है, वह सिक्योरिटी भरवाकर कनैक ान दिलवाएं जाएं ताकि हमें लाभ मिल सके।

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि कृशणपुरा में तो 3 ट्यूबवैल पहले से ही लगे हुए हैं और वहां पर काम 4/97 से भाुरू हो गया था, राजीव कॉलोनी में ट्यूबवैल द्वारा पानी देने का कार्य भाुरू कर दिया गया था लेकिन वहां पर 200 के करीब अनअथोराईज्ड कनैक ान होने के बाद वह बंद कर दिया गया है क्योंकि यदि ऐसा नहीं करते तो पानी आगे नहीं जाना था। इसलिए वहां की म्यूनिस्पिल कमेटी को कहा गया है कि कनैक ान लेने वाले लोगों के मकानों के नक ो हमें बनाकर दे दो, उसके बाद हम कनैक ान दे देंगे। विराट नगर में 7/98 से काम भाुरू हो गया है, नया मॉडल टाऊन में कार्य 1/98 से भाुरू हो गया है, बतरा कालोनी में 4/98 से काम भाुरू हो गया है। भाहर के क्षेत्रों के बारे में जो स्थिति थी वह मैं बता चुका हूं तथा वहां पर

नगरपालिका के हिसाब से कार्य हो रहा है। मैं यह भी अर्ज करना चाहूंगा कि पैसे का अभाव रहता है, इसलिए जैसे जैसे पैसा आएगा, वैसे–वैसे हम काम करते रहेंगे और दिसंबर, 1999 तक यह काम पूर्ण हो जाएगा। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र कि जो अनअथोराईज्ड कॉलोनियां हैं, उन के बारे में मैं बताना चाहूंगा कि उग्रा खेड़ी में तो पहले से ही काम चल रहा है, एकता विहार में भी 5/97 से काम चालू है लेकिन काम अभी पूर्ण नहीं हुआ है। नये रमे ा नगर तथा अ ोक विहार में 4/96 से काम चल रहा है। गीता कॉलोनी में काम पहले से ही चालू था तथा वहां पर पानी की सप्लाई भी भाुरू हो गई है। लेकिन मैं पहले ही अर्ज कर चुका हूं कि पैसे का आमतौर पर अभाव रहता है इसलिए हम यह निर्धारित नहीं कर सकते कि यह काम इतने समय के अन्दर हो जाएगा। हां, जैसे जैसे हमें पैसा मिलता जाएगा वैसे वैसे हम काम करते रहेंगे।

श्री ओम प्रका ा जैन: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अर्ज करना चाहूंगा कि राजीव कॉलोनी, पानीपत भाहर की अथोराईज्ड कॉलोनी है, वहां पर सीधे ही जन–स्वास्थ्य विभाग वालों को पैसा जमा करवाकर कनैक ान नहीं दिया जाता है, इसके लिए पहले कमेटी से एन0ओ0सी0 लेनी पड़ती है तथा वहां पर कमेटी वालों ने काम नहीं करने की कसम खा रखी है। इस प्रकार गरीबा आदमी को कनैक ान नहीं मिल रहा है। उस कमेटी मे विपक्ष का चेयरमैन है, जिस ने मौजूदा सरकार के समय में

कोई काम नहीं करने की कसम खा रखी है। मैं अर्ज करूंगा कि जन स्वास्थ्य विभाग पहले भी सीधे ही कनैक ान दो रहा है। मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है कि यह विभाग सीधे ही उपभोक्ता से 400/– रुपये या जितने रुपये लेने हो, वह लेकर के उनको रसीद काटकर उन को दे दें तथा सीधे ही उनको कनैक ान दे दे अर्थात् बीच में कमेटी का चक्कर ही खत्म हो जाए, ऐसे आदे ा यदि जारी कर दिए जाएंगे तो बहुत ही लाभ होगा।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, कमेटी वाले डिवैल्पमैंट चार्जिज लेते हैं तथा हमारे पास वे पैसा जमा करवाते हैं। स्थानीय भाासन मंत्री महोदया भी यहीं सदन में बैठी हैं, इस संबंध में वे भी अपना जवाब सदन में दे देंगी। लेकिन मैं तो यही आ वासन दे सकता हूं कि जब उपभोक्ता कमेटी वालों के पास पैसा जमा करवा देगा तो हम तुरंत उसको कनैक ान दे देंगे।

श्री ओम प्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, कनैक ान के मामले में यदि कमेटी बीच में न आए तो ठीक रहेगा। सीधे ही जन स्वास्थ्य को पैसे जमा करा दिए जाएं तो अनाव यक असुविधा बच जाएगी।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, पैसे जमा करवाने के बाद हम उपभोक्ता को कनैक ान दे देंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के

में एक वाटर वर्क्स लगा हुआ है और उसी वाटर वर्क्स से कई गांवों में पानी की सप्लाई होती है। वाटर वर्क्स से दूसरे गांवों में पानी की सप्लाई लाईनें बिछाकर की जाती है। लेकिन कई जगह पर वे लाईनें टूटी हुई हैं और इस बारे में जब हम आपके अधिकारियों से बात करते हैं तो वे कभी तो कहते हैं कि हमारे पास सामान नहीं और कभी कह देते हैं कि हमें इस बारे में मालूम नहीं है। अध्यक्ष महोदय, गवालड़ा गांव में भी ऐसी ही दिक्कत है। वहां गांव नामुंजा के वाटर वर्क्स द्वारा पानी की सप्लाई होतीहै वह लाईन जोहड़ के नजदीक से गुजरती है और वह लाईन इस समय खराब है। इस बारे में जब अधिकारियों को कहा गया तो अधिकारी कहते हैं कि यह लाईन जोहड़ का पानी सूखने के बाद ही ठीक हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का मतलब यह है कि यह लाईन खराब होने के कारण उस गांव में पानी बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है और लोगों को बहुत ज्यादा परे ाानी हो रही है। मेरा मंत्री महोदय, से अनुरोध है कि गवालड़ा गांव की लाईन को जल्दी से जल्दी ठीक करवायें।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ समय से हमारे पास पाइप्स नहीं थे जिसके कारण जो लाईनें टूटी हुई थी वे ठीक नहीं हो पाई। लेकिन अब आने वाले 15—20 दिन में हमारे पास पाइप्स आ जायेंगे और मेरे भाई कादयान ने जो लाईन बताई है उसको भी ठीक करवा देंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि इनके अधिकारी कह रहे थे कि जब तक जोहड़ का पानी नहीं सूखा तो क्या होगा?

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, अगर उस जोहड़ का पानी नहीं सूखा तो हम लाईन किसी दूसरी साईड से ले लेंगे और उस गांव की पानी की समस्या दूर कर देंगे।

तारांकित प्र न संख्या–977

(इस समय माननीय सदस्य श्री बन्ता राम सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्र न पूछा नहीं गया)

Draining Out of Flood Water

***982. Shri Kapoor Chand Sharma:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there are some villages of Shahabad constituency which remain effected by flood every year and on account of which the great loss is caused to crops; and

(b) if the reply to para(a) above be in affirmative, whether the Government has formulated any scheme to find out a permanent solution to the said problem togetherwith the time by which the aforesaid scheme is likely to be implemented?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) भााहबाद निर्वाचन क्षेत्र के गांवों में बाढ़ की समस्या नहीं है। फिर भी, भारी वर्शा के दौरान फसलें, बाढ़ के पानी के उतरने की अल्प अवधि तक, प्रभावित होती है।

(ख) स्थिति में अग्रिम सुधार के लिए तीन योजनाएं अभी अभी स्वीकृत की जा चुकी है। धन की उपलब्धता होने की स्थिति में यह योजनाएं क्रियान्वित होंगी।

श्री कपूर चंद भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि भााहबाद डिवीजन में बाढ़ की समस्या नहीं है। ऐसी बात नहीं है बल्कि वहां पर तो बाढ़ की समस्या बड़ी गंभीर और पुरानी है। भााहबाद के इलाके में बाढ़ की समस्या को लेकर गांव वालों में आपस में सन् 1994 में गोली भी चली थी। अध्यक्ष महोदय, 14 गांव नलवी नहर की एक तरफ पड़ते हैं और 7 गांव दूसरी तरफ पड़ते हैं। अगर नलवी नहर के बंद को बंद कर दिया जाता है तो बरसात के दिनों में इसके टूटने के कारण एक तरफ के लोगों को डूबने का डर रहता है और बंद को खोल दिया जाए तो दूसरी तरफ के लोगों को खतरा हो जाता है। इस समस्या को दूर करवाने के लिए, सरदार दीदार सिंह जी जो रजिस्ट्रार के पद से रिटायर हुए हैं, मुख्यमंत्री महोदय से भी मिले थे और मुख्य मंत्री जी ने उन्हें आ वासन दिया था कि दोनों तरफ का पानी निकाल दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, नलवी नहर के दूसरी तरफ एक पुराना बंद है और सन 1996 में बरसात के दिनों में जब वहां पर पानी 4–4 फुट हो गया तो रात के समय उस बंद को एक

तरफ से गांव वालों ने काट दिया, क्योंकि अगर वे ऐसा नहीं करते तो वे लोग डूब जाते। लेकिन बंद टूटने से दूसरी तरफ के लोगों के डूबने की आं ाका हो गई और गांव वाले आपस में लड़ने के लिए इक्ट्ठे हो गये। जब इस बारे में डी0सी0 को पता लगा तो उन्होंने वहां पर श्री रणबीर भामा, एस0पी0 को भेजा। एस0पी0 साहब मौके पर जाकर तीन ट्रैक्टर ट्राली नौजवानों को गिरफ्तार करके भााहबाद थाने में ले आए। जब इस बारे में मैंने भार्मा जी से पूछा कि यह आपने क्या किया? तो भार्मा जी ने मुझे कहा के अगर मैं ऐसा नहीं करता तो वहां पर गोलियां और भाले चल जाते। अध्यक्ष महोदय, मैंने एस0पी0 से कहा कि इन लोगों का चालान मत करना, बाद में देख लेंगे। अध्यक्ष महोदय, सारी रात वे लोग वहां जेल में रहे। अगले दिन सुबह उस इलाके के 500—600 आदमी मेरे पास रैस्ट हाउस में आ गये। उस इलाके में कुमाऊ बिरादरी के लोग रहते हैं। वे लोग वहां रैस्ट हाउस में भााम तक बैठे रहे और जब भााम को पानी पर कंट्रोल हो गया उन लोगों ने कहा कि तुम्हारी समस्या दूर हो जाएगी, तब वे लोग वहां से गये। अध्यक्ष महोदय, वह नाका उस समय खोला था लेकिन आज तक वह नाका बंद नहीं हुआ है, उस एरिया के लोग उस नाके को बंद नहीं होने देते। लेकिन अगले गांव वाले कहते हैं कि अरग यह बंद नहीं किया गया तो उनके यहां बाढ़ आ जाएगी। अध्यक्ष महोदय, वहां का पानी हर साल एस0वाई0एल0 में काटकर डाला जाता है। पहले पाईप लगाई गई लेकिन पाईपों से यह पानी नहीं निकलता, इस बार दूसरे तरीके से यह पानी निकाला गया था। अध्यक्ष

महोदय, अरग पंजाब से एस0वाई0एल0 में पानी ज्यादा आ जाता है तब हमारे यहां का पानी एस0वाई0एल0 में नहीं जाता। अध्यक्ष महोदय, वहां के लोगों की यह समस्या बहुत गंभीर और पुरानी है। नौ–गजे पीर से पानी रावा, रंडी, दाऊमाजरा, गोरीपुर, बोरीपुर, कल्याणा, मददीपुर, फोककर, नहारमाजरा, कलसाणी, ममुमाजरा और सैनी माजरा से होता हुआ जाता है। और नलवी के दूसरी तरफ पानी बसंतपुर, बीजपुर, मधेड़ी, अजराकर और भाांति नगर से होता हुआ जाता है। अध्यक्ष महोदय, नलवी नहर का जो बंद है वह तीन साल से टूटा हुआ है। एक तरफ के लोग तो कहते हैं कि यह बंद, बंद होना चाहिए और दूसरी तरफ के लोग कहते हैं कि यह खुला रहना चाहिए। यह समस्या वहां के लोगों की है। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या उन लोगों की यह समस्या दूर करने की कोि ा ा करेंगे?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जिस इलाके की समस्या वैध कपूर चंद जी ने बताई है वह मारकण्डा नदी का इलाका है और जब भारी वर्शा होती है तब मारकण्डा नदी का लैवल उस इलाके की जमीन से ऊपर हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, जब मारकण्डा नदी का पानी का लैवल नीचे हो जाता है तब उस इलाके का पानी निकल पाता है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में 6 जनवरी, 1999 को एक मिटिंग हुई थी और उसमें जितनी भी बाढ़ से संबंधित परियोजनाएं थी, चाहे वे छोटी हों या बड़ी हो, सारे हरियाणा के लिए जो भी परियोजनाएं मन्जूर हुई हैं

उनमें से तीन परियोजनाएं इस इलाके की समस्या के लिए ही मंजूर की गई हैं और वे हैं–झांसा के ऊपरी स्तरीय दायीं और बंद की बुर्जी नम्बर 4500 से 10000 के साथ ड्रेन का निर्माण करना। भााहबाद तहसील के लांडी दाऊ माजरा/बजीदपुर तथा केसरी गांव की कृशि भूमि की सुरक्षा के लिए लांडी ड्रेन बुर्जी नम्बर 07500 का निर्माण करना। ठसका वितरिका की बुर्जी नम्बर 23800 पर साइफन लगाकर भााहबाद तहसील के ढोल बबकपुर तथा गोरखा इत्यादि गांवों की कृशि भूमि का बचाव करना। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, जैस कि श्री कपूर चन्द भार्मा ने बताया कि वहां पिछले कई सालों की समस्या है, यह ठीक है और उसके लिए पहले चौधरी बंसी लाल जी के समय में एक स्कीम बनी थी कि इस मारकण्डा नदी के अप–स्ट्रीम पर एक बैराज बनायें और वह स्कीम बन गई थी। उस स्कीम का एक तो यह फायदा था कि सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता भी होती और दूसरा फायदा यह था कि मारकण्डा नदी का पानी एक साथ नीचे नहीं आता तो यह इलाका भारी वर्शा होने पर बाढ़ से भी बचता। लेकिन सी0डब्ल्यू0सी0 ने वह स्कीम इस वजह से नामंजूर कर दी थी कि नदी के अप–स्ट्रीम में ज्यादा सिल्टिंग होगी और ज्यादा सिल्टिंग होने की वजह से वह बैराज एक–दो साल में बेकार हो जाता। इसलिए वह स्कीम लागू हो नहीं पाई थी। फिर भी इस समस्या को दूर करने का काई उपाय हो तो श्री कपूर चन्द भार्मा जी जैसी सलाह देंगे, वैसे कर देंगे।

श्री कपूर चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह मारकण्डा नदी के पानी का सवाल नहीं है और इससे यह बाढ़ नहीं आती। भााहपुर के पास, मौड़ी के पास और नौ गजे के पास जो नाले हैं, यह पानी वहीं से उछल कर जाता है और इन सभी गांवों में जाता है और नालियों में टक्कर खाता है। वहां बन्द बना हुआ था जो कि बहुत पुराना है और काट दिया है। लेकिन बन्द से परली साइड में एक जनसुई हैड में उन्होंने ड्रेन डाली हुई थी जो कि बन्द हो चुकी है। जब नलवी से बन्द के साथ साथ जनसुई हैड में पानी डाल दें तभी कुछ बात बन पायेगी। अध्यक्ष महोदय, पहले हमने एक स्कीम बनाई थी कि जी0टी0 रोड और रेलवे रोड के बीच में से पानी मारकण्डा नदी में डाल दें लेकिन रेलवे वालों ने मन्जूरी नहीं दी। अब जी0टी0 रोड़ से परबा की साइड में ड्रेन निकाल कर मारकण्डा नदी में डाल दें और वहां गेट लगा दें तो वह पानी मारकण्डा में आ सकता है और उधर जनसुई हैड में जा सकता है तभी ये सारा इलाका बच सकता है। अतः यह मारकण्डा नदी की बाढ़ का सवाल नहीं है यह पानी तो ऊपर से आता है जो भााहपुर का, मोड़ी का और नौ गजे पीर का है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस बारे में कोई विचार करेंगे।

श्री हर्श कुमार: अध्यक्ष महोदय, बहरहाल, मारकण्डा पर गेट लगाने से कोई फायदा नहीं होगा बल्कि गेट लगाने का नुकसान ही होगा क्योंकि कभी कभी ऐसा भी हो जाता है कि

वाटर लैवल अपने आप रात के समय नीचे हो गया तो जो पानी का नैयुरल फ्लो है उसके हिसाब से पानी अपने आप ही चला जाता है और जैसा श्री कपूर चन्द जी बता रहे हैं कि मारकण्डा नदी के पानी का कोई संबंध नहीं है, ऐसी बात नहीं है। इस इलाके का पानी मारकण्डा नदी में ही जाता है और जब मारकण्डा नदी का पानी का लैवल अपने आप बाहर से ऊंचा हो तो वह पानी खड़ा हो जाता है और ज्यों ज्यों मारकण्डा नदी का पानी नीचे जाता है तो वह पानी अपने आप नैचुरल फ्लो से निकल जाता है। यह कोई 10 दिन या बीस दिन या महीना भर तक पानी नहीं भरता। ज्यादा से ज्यादा 10 दिन पानी भरता है और जब मारकण्डा नदी का लैवल नीचे चला जाता है तो वह पानी नैचुरल फ्लो से निकल जाता है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, इस इलाके में जब नै ानल हाई वे बना तो उस समय वहां पर ब्रिज के अंडर कंस्ट्रक ान की वजह से कुछ समस्या आई थी। ब्रिज की कंस्ट्रक ान की वजह से वहां पर पानी रूक गया था लेकिन वह पानी भी तीन चार दिन के अन्दर ही निकाल दिया गया था। इसके अलावा माननीय सदस्य की कोई और समस्या हो तो वह बताएं।

श्री कपूर चंद भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी अपने महकमें के इंजीनियर्ज वहां भेज कर सर्वे करवा लें और वे उस बारे में कोई सुझाव दें उसके हिसाब से कर दें।

श्री हर्श कुमार: अध्यक्ष महोदय, मैं महकमें के इंजीनियर वैद्य जी के पास भेज दूंगा। वैद्य जी उनको जो सुझाव देंगे उसके

हिसाब से स्कीम बना देंगे। हम इनकी समस्या का हल जरूर करवाएंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में थर्मल पावर प्लांट पानीपत है उस थर्मल पावर प्लांट में पानी यूज होने के बाद जो पानी वहां से निकलता है उस पानी में थर्मल पावर प्लांट की राख मिक्स हो कर सुताना गांव की अढ़ाई सौ एकड़ जमीन में जाती है उस पानी के कारण उस गांव की जमीन में सेम आ गई है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार उस पानी को कोई ड्रेन बनाकर प्रौपर ढंग से निकलवाने का प्रबंध करवाएगी ताकि उस गांव को सेम की समस्या से बचाया जा सके।

श्री हर्ष कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं खुद वहां मौके पर गया था। मैंने वहां पर देखा था कि लोग थर्मल पावर प्लांट के पानी से अपनी फसलों की सिंचाई करते हैं। जब किसानों को सिंचाई के लिए पानी की जरूरत नहीं होती है तो वह पानी जरूर लोहारी गांव की 50–60 एकड़ जमीन में से होते हुए थर्मल पावर प्लांट ने ड्रेन निकाली हुई है उसमें से होकर आगे निकल जाता है।

श्री बिजेन्द्र कादयानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी वहां मौके पर गये थे, यह बात सही है लेकिन उस पानी से सुताना गांव की 200–250 एकड़ जमीन खराब हो गई है और उस जमीन

में सेम की समस्या पैदा हो गई है। उस पानी को ड्रेन के माध्यम से यूज किया जा सकता है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, क्या वह पानी खेती के काबिल है या नहीं।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं वहां पर मौके पर देख कर आया हूं। किसान उस पानी से अपनी फसलों की सिंचाई करते हैं। थर्मल पॉवर प्लांट वालों ने जो ड्रेन बनाई हुई है उस ड्रेन से वह पानी आगे जाता है। जो राख होती है वह उन्होंने जो पौडं बनाया हुआ है उसके अंदर नीचे बैठ जाती है पानी बाकायदा नितर कर आगे जाता है। वह पानी बाकायदा खेती के लिए काबिल है। फसल को उस पानी से कोई नुकसान नहीं होता है।

श्री ओम प्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि भाुरू भाुरू में उस पानी से किसान सिंचाई कर लेते थे लेकिन अब उस पानी के कारण सुताना, जाटल और लोहारी गांवों की डेढ़ सौ एकड़ जमीन खराब हो गई है। इन गांवों में उस पानी से बड़ी भारी समस्या है। सच्चाई यह है कि उस पानी से सिंचाई नहीं हो रही है। इन गांवों की लगभग डेढ़ सौ एकड़ जमीन में पिछले कई सालों से किसी भी फसल की बिजाई नहीं हुई है। वहां पर 150 एकड़ जमीन ही नहीं बल्कि 500—600 एकड़ जमीन खराब हो चुकी है। उस पानी को निकालने के लिए जो ड्रेन बनाई गई थी। उसकी सफाई न होने की वजह से उसके अन्दर से हो

कर पानी नहीं चल सकता है। इसके अलावा जाटल गांव के पास से जो बाद ााह ड्रेन निकलती थी उस ड्रेन को लोगों ने बंद करके उसके ऊपर बिजाई करनी भाुरू कर दी है। इस बारे में हम कई बार महकमे को कह चुके हैं, दरखास्त दे चुके हैं। इसके अलावा जो लोहारी की तरफ ड्रेन जाती है जब तक उसकी अच्छी तरह से सफाई नहीं हो जाती, तब तक वहां के किसानों का बुरा हाल रहेगा। उसकी सफाई के लिए वहां के किसान बहुत दिनों से परे ाान है। मंत्री जी उस पानी से सिंचाई की बात कहते हैं वह तो बहुत पुरानी बात है, वह तो भाायद 10 साल पहले की बात है। अब वे बिजाई क्या करेंगे क्योंकि उनकी सारी जमीन सेम में आ गई है। जितना भी आस–पास का इलाका है जिसमें तकरीबन 150–200 एकड़ जमीन आती है, वह खराब है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि वहां पर मेरा भी 70 एकड़ का फार्म है। वह सारा का सारा होता जा रहा है। अब वहां पर 5 फुट पर चोबा आ गया है। वहां पर बिजाई के लिए प्रौब्लम आ जायेगी इसलिए आप इस बारे में गहराई से सोचें और जो सेम वहां पर बढ़ रही है उसको खत्म करवायें। सेम के प्रभाव से बचने के लिए वहां से जो ड्रेन जाती है उसकी सफाई होनी सबसे पहले जरूरी है। जब हम आपके महकमे में आदमियों को कहते हैं कि ड्रेन की खुदाई करवा दें तो वे हमें वि वास दिलाते हैं कि हम ड्रेन की खुदाई करवा देते हैं। फिर बरसात का समय आ जाता है। तब वे चार बेलदार भेज देते हैं और कह देते हैं कि हमने सफाई कर दी, इसलिये आपसे प्रार्थना है कि वहां का मामला बहुत सीरियस है इसलिए इस को आप

सीरियसली लें ताकि वहां की जमीन का बहुत बुरा हाल न हो। इसलिए मेरी दरख्वास्त है कि आप अपने महकमें को कह करके इसको दिखाकर कोई हल निकालें। आपकी मेहरबानी है कि आप वहां की समस्या को देख करके आये हैं।

श्री हर्ष कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं दोनों साथियों को साथ ले जाकर के और अपने इन्जीनियर्ज को साथ ले जाकर के उसका मुआयना कर लेंगे और जो कुछ हल हो सकता होगा, जरूर करेंगे।

तारांकित प्र न संख्या 817

(यह सवाल पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री देवराज दीवान सदन में उपस्थित नहीं थे)

तारांकित प्र न संख्या 939

(यह सवाल पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री रामफल कुण्डु सदन में उपस्थित नहीं थे)

M.L.A's Local Area Development Scheme

***862. Shri Kailash Chander Sharma:** Will the Minister for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to re-introduce the M.L.A's Local Area Development Scheme?

Finance Minister (Shri Charan Dass): No. Sir,

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये वित्त मंत्री जी से निवेदन करता हूं और इस सवाल के लिए आपके सहयोग की भी जरूरत है। जैसा अभी मेरे साथी जैन साहब बता रहे थे कि एम0पी0 कोटै से दो नलकूप लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि एम0पी0 कोटे से एक एम0पी0 को जो 1 करोड़ रुपये मिलते थे वह राि ा अब बढ़कर–2 से बढ़कर 40 लाख रुपये हो गया है। अब जिस गांव में भी गली पक्की बनती है तो वहां पर जब हम जाते हैं तो लोग कहते हैंकि यह गली तो एम0पी0 साहब ने बनवा दी है इसलिए अब आप यह दूसरी गली बनवा दें। विकास राि ा न मिलने से किसी विधायक को गांव में जाने में बड़ी भारी समस्या आने लग गई है। गांव के सारे सरपंच एम0पीज0 के पास जाने लगे हैं। इतना ही नहीं एक एम0पीर0 को 30–45 गैस के कनैक ाजं और टेलीफोन के कनैक ांज लोगों को देने की सुविधा मिली हुई है। मैं चाहता हूं कि विधायकों को जो कोटा पहले मिलता था उसको पुनः चालू किया जाए। यह सभी विधायकों के लिए ठीक रहेगा। इसमें पैसा तो सरकार से ही लगना है। वह पैसा पंचायत समितियों के पास डी0सी0 के माध्यम से ही जाना है। हमारा तो सिर्फ नाम होना है कि फलां गली विधायक ने बनवायी है। हमें आने वाले समय में इसका फायदा हो सकता है। जब गांव के लोग हमें किसी फंक ान में बुला लेते हैं तो वहां पर 5–10 हजार रुपये उनको देने के लिए काम में लाये जा सकते हैं। अब गांवों में सारा श्रेय एम0पी0 को ही जाता है, विधायकों को

गांवों में कोई बुलाता ही नहीं है इसलिए मेरा निवेदन है कि विधायक को यह थोड़ी सी छूट मिलनी चाहिए। हमारा पड़ौसी प्रान्त राजस्थान जिसको सबसे कम पैदावार वाला प्रांत कहते हैं उसने भी अपने विधायकों को मिलने वाले पैसे को पहले से डबल कर दिया है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस पर पुनर्विचार करें।

श्री चरण दासः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आनरेबल मैम्बर्ज को बताना चाहता हूं कि 1995 में लोकल एरिया डिवैल्पमैंट के माध्यम से एम0एल0एज0 को 20 लाख, 40 लाख और 50 लाख रुपये देने का प्रावधान एम0पी0 पैटर्न पर किया गया था। पहले साल 1219.25 लाख रुपया डी–सैन्ट्रलाईजे ान के तहत, 500 लाख रुपया एच0आर0डी0एफ0ए0 के माध्यम से व 80. 75 लाख रुपया इम्प्लौयमैंट ए योरेंस के माध्यम से एम0एल0एज0 को मिला था।

श्री अध्यक्षः क्या 1995 में सभी एम0एल0एज0 को पैसा मिल गया था?

श्री चरण दासः 20 लाख, 40 लाख और 50 लाख रुपया देने की पालिसी सभी एम0एल0एज0 के लिए थी। वर्श 1996 में यह स्कीम बन्द कर दी गई थी क्योंकि इसका तरीका ठीक नहीं था।

श्री अध्यक्षः मेरा आपसे यह निवेदन है कि आप यह बताएं कि क्या 1995 के अन्दर सभी एम0एल0एज0 को यह 40 लाख या 50 लाख रुपया दिया गया था? क्योंकि उस वक्त हम भी एम0एल0ए0 थे, हमको वह पैसा नहीं मिला था।

श्री चरण दासः अध्यक्ष महोदय, जो पौलिसी थी वह सभी के लिए थी लेकिन यह पिछली गवर्नमैंट के पार्ट पर लैप्स रही कि वह उसको ठीक तरीके से इम्पलीमैंट नहीं कर सकी। हमारी गवर्नमैंट आने के बाद 1996–97 में पांच लाख, 1997–98 में साढ़े पांच लाख और 19998–99 में 14 लाख रुपये डी–सैंट्रेलाईज किए गए और डी0सीज0 को भेजे गए हैं। अगर आनरेबल मैम्बर्ज चाहते हैं तो फौरन जा कर उस पैसे को इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): अध्यक्ष महोदय, उस सरकार के वक्त में वह पॉलिसी तो सभी विधायकों के लिए थी, लेकिन पैसा सब के लिए नहीं था।

श्री अध्यक्षः माननीय वित्त मन्त्री जी, आप कृपया यह बताएं कि 1995–96 में सभी को पैसा मिला या नहीं मिला? क्योंकि हम भी उस वक्त विधायक थे लेकिन हमें वह पैसा नहीं मिला था इस बारे में आपको रिकार्ड क्या कहता है? (विघ्न)

ि ाक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, आपने बिल्कुल ठीक फरमाया। पिछली सरकार के समय में

विधायक लोकल डिवैल्पमैंट फंड की योजना थी और उसमें पिछली सरकार की बड़ी भेदभावपूर्ण नीति रही। किसी जिले में तो पैसा दे दिया गया और किसी जिले में नहीं दिया गया, किसी विधायक के क्षेत्र में पैसा दे दिया गया और किसी विधायक के क्षेत्र में पैसा नहीं दिया गया। माननीय साथी श्री कैला ा चन्द्र भार्मा जी की समस्या ठीक है और यह सरकार इस पर विचार करेगी।

Extension of Industrial Area, Ambala Cantt.

***870. Shri Anil Vij:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for the extension of the Industrial Area, Ambala Cantt.; and

(b) is so, the time by which the above mentioned proposal is likely to be materialised?

उद्योग मंत्री (श्री भाि ा पाल मेहता): नहीं, श्रीमान् जी।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, अम्बाला छावनी एक इण्डस्ट्रियल एरिया है व बहुत पुराना बना हुआ है और वहां अभी सैचुरे ान नहीं हुआ है और इण्डस्ट्रीज के एक्सपैं ान का वहां पर अभी काफी स्कोप है और लोग भी वहां पर नि चत रूप से उद्योग लगाना चाहेंगे और लोग वहां पर इण्डस्ट्रीज लगा भी रहे हैं। वहां पर इण्डस्ट्रीज को एक्सपैंड करने का काफी स्कोप है लेकिन इसके बावजूद मन्त्री महोदय ने उत्तर ''नहीं'' में दिया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस सब के बावजूद भी यह उत्तर ''नहीं'' में क्यों है?

श्री भाि ा पाल मेहताः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैंट से 12 किलो मीटर की दूरी पर साहा ग्रोथ सैन्टर हम बनाने जा रहे हैं। इसके लिए भारत सरकार की स्पीकृति आ चुकी है और पचास लाख रुपये की राि ा भी हमें मिल चुकी है। यहां पर 400 एकड़ भूमि अधिग्रहण करके काम चालू कर दिया गया है। इसके साथ ही साथ और भी कई इण्डस्ट्रियल टाऊन हैं इसलिए अम्बाला में और इण्डस्ट्रीज का विकास करने की जरूरत नहीं है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत स्वागत योग्य बात है कि साहा ग्रोथ सैंटर का काम चालू होने वाला है। पिछले 10–12 साल से साहा ग्रोथ सैंटर फाइलों में दबा पड़ा था और वर्तमान सरकार के आने के बाद इस पर कार्यवाही आरम्भ होने जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि साहा ग्रोथ सैंटर पर काम कब से भाुरू हो जाएगा और वहां पर कब से इण्डस्ट्रीज लगनी भाुरू हो जाएगी?

श्री भाि ा पाल मेहताः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही अपने साथी श्री अनित विज को बताया है कि भारत सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है और 50 लाख रुपये की राि ा भी आ चुकी

है तथा इस पर काम भी चालू है। यह बहुत जल्दी ही विकसित होने वाला है और वहां पर लगाने के लिए पैसा भी अवेलेबल है। अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस की नॉलेज के लिए बताना चाहता हूं कि यमुना नगर, बब्याल, बरवाला आदि भी अम्बाला कैंट के साथ ही लगते हैं जहां हमने इण्डस्ट्रीज के लिए जमीन ऐक्वायर की है और वहां पर भी काम भारू हो रहा है। इसी तरह से मैं यह बात बताना चाहता हूं कि मानेसर में 1749 एकड़ भूमि अधिग्रहण करके उस पर बहुत तेजी से काम चल रहा है। करोड़ों की लागत से यह ऐसा इण्डस्ट्रियल टाऊन तैयार होगा जो कि पूरे इण्डिया में नहीं है। यह टाऊन अपने आप में एक मिसाल होगा। उसकी सड़कों पर काम चालू हो गया है। इन सड़कों के निर्माण का काम हमने प्राईवेट पार्टीज को दिया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इन्डस्ट्रीज में जो थोड़ी बहुत कमी थी, वह बिजली की वजह से थी। हमारे मुख्य मंत्री जी की मेहनत और अथक प्रयासों से वह कभी भी दूर हो जाएगी। हमारे प्रदे ा में 6 महीने अन्दर–अन्दर 24 घंटे बिजली मिलेगी। जिसके कारण हरियाणा में इन्डस्ट्रीज को और भी बढ़ावा मिलेगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, भिवानी और महेन्द्रगढ़ के एरिया में भी आपका कोई इन्डस्ट्रीयल टाऊन बनाने का विचार है? अगर है तो उस बारे में बताएं?

श्री भाि ा पाल मेहताः अध्यक्ष महोदय, ऐसा विचार है। इसके अलावा अगर कहीं से ऐसी डिमान्ड आएगी और वे ऐप्लीके ान देंगे तो हम यहां पर जरूर इन्डस्ट्रीज लगवाएंगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, दादरी के आस–पास का एरिया जिसमें मैंडा खेड़ी व बादल आदि गांव आते हैं वहां पर बहुत ज्यादा टमाटर पैदा होते हैं। जब टमाटरों का सीजन होता है तो किसानों को उसके उचित दाम नहीं मिलते हैं और वे किसान चार पांच दिन तक दिल्ली में टमाटरों को बेचने के लिए इंतजार करते रहते हैं। क्या मंत्री महोदय, उन किसानों के लिए उन्हीं एरियाज के पास कोई ऐसा प्रबन्ध करेंगे ताकि उनको उनकी उपज के उचित दाम मिल सकें?

श्री भाि ा पाल मेहताः अध्यक्ष महोदय, इस प्र न का हमारे इन्डस्ट्री डिपार्टमैंट से कोई ताल्लुक नहीं है फिर भी मैं आपके माध्यम से अपने साथी को बताना चाहता हूं कि ये इस बारे में हमें लिखकर दे दें, हम इस बारे में विचार कर लेंगे। वैसे तो यह एग्रो इन्डस्ट्री का मामला है, इन्डस्ट्री डिपार्टमैंट का नहीं है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आपने फर्माया कि अगर कोई इन्डस्ट्रियलिस्ट ऐप्लीके ान लिखकर दे दें अगर ऐसा हो, तो क्या आप वहां पर इंडस्ट्रियल टाऊन बनवा देंगे?

श्री भाि ा पाल मेहताः अध्यक्ष महोदय, महकमे के नॉर्म्ज के मुताबिक जहां ऐसी जरूरत होती है वहां पर हम जमीन

ऐक्वायर करते हैं और उस बारे में जमींदारों को नोटिस देते हैं। इसके बाद इन्डस्ट्रियल टाऊन में इन्डस्ट्रीज बनाने के लिए एप्लीके ान मांगते हैं। इसके अलावा अगर किसी एरिया से इन्डस्ट्रियल टाऊन बनाने की डिमान्ड आती है तो उस बारे में विचार करके काम किया जा सकता है।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि मेरा हसनपुर हल्का पिछड़ा हुआ है। हसनपुर और होडल के किसान इंडस्ट्रियल टाऊन के लिए जमीन देने को भी तैयार हैं। अगर मंत्री जी वहां पर इण्डस्ट्रियल टाऊन बनाने के लिए तैयार हों तो वहां के किसान सस्ते दामों पर जमीन देने के लिए भी तैयार हे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ये वहां पर इन्डस्ट्रियल टाऊन बनवाएंगे?

श्री भाि ा पाल महेताः अध्यक्ष महोदय, पलवल के लिए इन्डस्ट्रियल टाउन बनाने के बारे में विचार हो रहा है और इनका एरिया पलवल के नजदीक है। इसके अलावा मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि गांव–गांव में इन्डस्ट्रियल टाऊन नहीं बन सकते हैं।

श्री अध्यक्षः ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब प्र न काल समाप्त होता है।

15.00 बजे

राज्यपाल से सन्दे ा

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य गण, मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय से निम्नलिखित संदे ा प्राप्त हुआ है।

''प्रिय अध्यक्ष जी,

मैं आपके अर्ध सरकारी पत्र सं0 एच0वी0एस0एल0ए0 36/99/3570 दिनांक दो फरवरी, 1999 के लिए जिसके द्वारा आपने मुझे हरियाणा विधानसभा द्वारा दिनांक दो फरवरी, 1999 को पारित धन्यवाद प्रस्ताव की प्रति प्रेशित की है, आभार प्रकट करता हूं। कृपया मेरी ओर से सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करें।''

अतः महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से मैं सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद करता हूं। (थम्पिंग)

बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committee met at 2.15 P.M. on Friday, the 5th February, 1999 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in Session, shall meet on Monday and Tuesday at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. without question being put and on Wednesday, the 10th

February, 1999 at 2.00 P.M. and adjourn after conclusion of Business entered in the list of Business for the day.

The Committee, after some discussion, also recommends that the Business on 8th February to 10 February, 1999 be transacted by the Sabha as under:-

Monday, the 8th February, 1999 (2.00 P.M.)	1. Question Hour. 2. Presentation and adoption of Second Report of Business Advisory Committee. 3. Resumption of General Discussion on Budget Estimates for the year 1999-2000 and reply by the Finance Minister 4. Legislative Business.
Tuesday, the 9th February, 1999 (2.00 P.M.)	1. Question Hour. 2. Presentation of Assembly Committees Report. 3. Discussion and Voting on Supplementary Estimates for the year 1998-99. 4. Discussion and Voting on Demands for Grants on Budget Estimates for the year 1999-2000. 5. Legislative Business.

Wednesday, the 10 February, 1999 (2.00 P.M.)	1. Question Hour. 2. Motioin under Rule 15 regarding non-stop sitting 3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine-die. 4. Motion under Rule 121. 5. Presentation of Reports of the Assembly Committee. 6. The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates for the year 1998-1999. 7. The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estamates for the year 1999-2000. 8. Legislative Business. 9. Any other Business.

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक प्रार्थना करना चाहता हूं। मैंने इस बारे में आदरणीय मुख्य मंत्री जी से भी प्रार्थना की है कि बी0ए0सी0 की रिपोर्ट में बुद्धवार को जो सै ान का समय दो बजे रखा गया है उसकी बजाए अगर यह प्रातः 10.00 बजे हो जाए तो यह समय सभी के लिए सुविधाजनक रहेगा।

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the House will meet at 10.00 A.M. instead of 2.00 P.M. on 10th of February, 1999.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The House shall meet at 10.00 A.M. instead of 2.00 P.M. on 10th February, 1999.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations as amended and contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations as amended and contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Question is-

That this House agrees with the recommendations as amended and contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

The motion as amended was carried.

वर्श 1999–2000 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now general discussion on the Budget for the year 1999-2000 will be resumed Shri Sat Pal Sangwan.

श्री सत पाल सांगवान (दादरी): अध्यक्ष महोदय, 3 फरवरी, 1999 को वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। विपक्ष के भाइयों के बगैर मुझे तो सदन में जान ही नजर नहीं आती। वे गलियां देकर सरकार को उल्टा सीधा कहकर चले गए। आज मैं उनको सुनाना चाहता था लेकिन मेरा अहोभाग्य कि वे आए ही नहीं। विपक्ष के साथियों की अनुपस्थिति में मेरा बोलने का मन तो नहीं हो रहा लेकिन आपने बोलने के लिए समय दिया है तो बोलना ही है।

श्री अध्यक्ष: आपका अहोभाग्य बोलने का है या खाली बैंचों का है? (हंसी)

श्री सतपाल सांगवान: अध्यक्ष महोदय, मेरे लिए अपोजी ान के भाइयों का होना बहुत जरूरी था। वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है वह सराहनीय है, कर रहित है। उसमें हमारी जो मेन प्रौब्लम्ज हैं जैसे बिजली, पानी ऐग्रीकल्चर, रोड्ज उन सबकी ओर ध्यान दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, 1966 में हरियाणा प्रदे ा बना था तब भी यहां विधान सभा में बड़े कमाल हुए थे और दलबदल के लिए हरियाणा प्रसिद्ध हो गया था। उस समय एक विधायक ऐसे भी थे जो सुबह एक दल में, दोपहर को दूसरे दल में और भााम को तीसरे दल में पहुंच जाया करते थे। ऐसी बातों से हरियाणा की चारों तरफ से बदनामी हो गई थी। हरियाणा की जनता भी घबराने लगी थी कि इस प्रदे ा का क्या

होगा? 1967 में चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा प्रदे ा की बागडोर संभाली उस वक्त हरियाणा में क्या हालत थी। हम लोगों के में जब महमान आते थे सिर्फ तब माण्डे बना करते थे, हम जब रोहतक में पढ़ने गए तो होस्टल की किचन में हमें घुसने नहीं देते थे कि यहां तो मेहमानों का खाना बनेगा। ऐसे वक्त में चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की बागडोर संभाली और हर गांव में बिजली, हर गांव में पानी, हर गांव में सड़कों का अरेंजमैंट किया गया। अध्यक्ष महोदय, आपको तो पता है कि हमारे इलाके की जान जो लिफ्ट इरीगे ान स्कीम थी, कभी सोचा भी नहीं था कि वह ऊपर आ सकेगी, चौधरी बंसी लाल जी उसे ऊपर लाए, जिससे वहां के लोगों को बे ुमार फायदा हुआ। हमारे बुजुर्ग तो कभी सोचा भी नहीं करते थे कि ऐसा हो सकता है? अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले हरियाणा लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए बधाई देना चाहता हूं। एक हमारे अपोजी ान के साहब छाती खोलकर कहा करते थे कि मेरे पास इतनी प्रोपर्टी है कि एक दिन में फाईव स्टार होटल खड़ा कर सकता हूं। ये बातें उन्होंने जनता में भाशण देते हुये कही हैं लेकिन अब पता लग जायेगा क्योंकि लोकायुक्त की नियुक्ति ऐसे ही राजनीतिज्ञों के लिए की गई है। इसमें मुख्य मंत्री से लेकर छोटे कर्मचारी तक जो भी दोशी होगा, उसे बख्भाा नहीं जायेगा। अब पता लग जायेगा कि एक दिन में फाईव स्टार होटल खड़ा करने के लिए पैसा कहां से आता है। इनको जनता से कोई प्यारा नहीं है, हरियाणा की जनता से कोई मतलब नहीं है। स्पीकर सर, ये विपक्ष के साथी लॉ एण्ड आर्डर

की बात करते हैं, आपको याद होगा कि 1989 में चुनाव में इनके नेता ने हुक्म दिया था कि कितने भी आदमी मरें लेकिन हमारा आदमी चुनाव नहीं हारना चाहिये। इन्होंने वहां एक पुलिस आफिसर को भी भेजा था लेकिन वह तो रास्ते से ही भाग गया था। स्पीकर सर, आपको याद होगा कि आदरणीय मुख्य मंत्री जी के घर के सामने एक बनिये के लड़के को मार दिया था और उसकी ला ा को भी वहां से उठाने नहीं दिया था और जब हमारे कुछ आदमी उस लड़के को अस्पताल में ले गये तो उसकी ला ा का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया था और एफ0आई0आर0 लौज नहीं होने दी थ्झी। आज वे लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं। किस तरह जुई में एक लड़की को गोलियों से भून दिया गया था, इनको कुछ सोच समझ कर बात करनी चाहिये। महम में क्या हुआ था वह सब आपको याद होगा। लॉ एण्ड आर्डर के बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि सोनीपत में बस स्टैण्ड को जलाया गया और कहा कि जब तक यहां का धुआं दिल्ली तक नहीं पहुंचेगा तब तक किसको पता चलेगा। उस समय टेलीफोन एक्सचेंज जलाई गयी। यह सब किसी की प्रोपर्टी थी? यह सब हरियाणा की जनता की प्रोपर्टी थी। हरियाणा की जनता उन्हें कभी भी माफ नहीं करेगी। यह बात मैं उनको चेलेंज के साथ कह सकता हूं। वे यह कहा करते थे कि जब तक लोग मरेंगे नहीं, तब तक हमारा राज कैसे चलेगा। मेरी यह सब बातें वे आज सुनते तो अच्छा था। अब मैं बिजली के बारे में बताना चाहता हूं। विपक्ष के भाइयों को सबसे ज्यादा तकलीफ बिजली के बारे में है। उनके

दो–चार साथी कभ्झी जब मेरे से बात करते हैं तो कहते है कि जब 24 घण्टे बिजली लोगों को मिल जायेगी तो हम कहा जायेंगे, तब मैंने कहा कि तुम बिजली के तार को हाथ लगा कर खड़े हो जाना। तुमको पता चल जायेगा कि 24 घण्टे बिजली मिल रही है या नहीं? सबसे ज्यादा तकलीफ तो उन्हें बिजली से ही है। उनको एक ही मतलब है कि किस तरह से चौधरी बंसी लाल जी को हरियाणा की जनता को 24 घण्टे बिजली देने से रोकें। क्योंकि 24 घण्टे बिजली अगर हरियाणा की जनता को मिल जायेगी तो जनता उनको माफ नहीं करेगी। उनका काम सिर्फ जनता को बहकाने का है वे भाांति को भंग करना चाहते हैं। उनको किसानों, मजदूरों और व्चापारियों से कोई मतलब नहीं है। जब बिजली हरियाणा के लोगों को 24 घण्टे मिलेगी तो हरियाणा की जनता का उद्धार हो जायेगा और विपक्ष के भाई देखते रह जायेंगे (विध्न) अध्यक्ष महोदय, जहां तक सड़कों की बात है, इनकी मरम्त और अन्य नई सड़कें बनाने के लिए बजट में बहुत अच्छा प्रावधान किया गया है। दलाल साहब ने सड़कों का कार्य तो बहुत अच्छे तरीके से किया है, लेकिन भगवान हमारा साथ नहीं दे रहा है। विपक्ष वाले भाई कहते थे कि भिवानी के अंदर एक ईंट भी नहीं लगी है, लेकिन जब हम ने इनको बताया कि वहां–वहां पर कार्य हो रहे हैं अथवा हुए हैं, तो वे वहां से आंख मूंदकर निकल जाते हैं, इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा में सड़कें बनी हैं, उनकी मरम्मत हुई है तथा और अच्छे कार्य अभी होने वाले हैं। इनके साथ साथ हमारे राज्य राजमार्गों पर चारों तरफ कार्य चल रहा है। मैं वित्त

मंत्री महोदय को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने सड़कों के लिए बजट में अच्छा प्रावधान किया है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। हमारे क्षेत्र में सबसे बड़ी सेम की समस्या थी तथा मैंने इस संबंध में हर्श कुमार जी व मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना की थी कि यह समस्या लोहारू कैनाल की वजह से ज्यादा है। मैं हर्श कुमार जी को वह नहर भी दिखा कर लाया हूं। मैं तो इनका धन्यवादी हूं कि इन्होंने इस पर तुरंत काम करवाया है। इस संबंध में मैं एक बात बताना चाहूंगा कि एक बार मुख्य मंत्री महोदय महेन्द्रगढ़ से आ रहे थे तो मुझे वायरलैस संदे ा भिजवाया गया कि मैं उनको लोहारू चौक पर मिलूं, मैं यह सुनकर घबरा गया कि पता नहीं कि क्या बात है? मैं वहां पर जाकर मुख्य मंत्री महोदय को मिला तथा वहीं मौके पर ही सिंचाई विभाग के आफिसर्ज को यह पूछकर कि इस नहर पर कार्य हेतु कितना पैसा खर्च आएगा, मुख्य मंत्री महोदय ने उसके लिए स्वीकृति दे दी। मैं उनका धन्यवादी हूं कि आज वहां पर जोरों से कार्य चल रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, 1995 में हमारे इलाके में बाढ़ आई थी तथा उस बाढ़ से भिवानी जिले के दादरी क्षेत्र में सबसे बुरी हालत हुई थी। यह श्री गांव से तो 9 महीने तक भी बाढ़ का पानी नहीं निकल पाया था। मेरी आपके माध्यम से लोक निर्माण मंत्री जी से प्रार्थना है कि कम से कम 1995 के दौरान बाढ़ में

क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत तो करवा दें। मैं उनका धन्यवादी हूंगा। वैसे पहले ही उनकी काफी तारीफ कर दी गई है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ दादरी भाहर की सड़कों की हालत भी ठीक नहीं है। अभी स्थानीय भाासन मंत्री महोदया सदन में उपस्थित नहीं हैं, लेकिन मैं आपके माध्यम से उनसे अनुरोध करूंगा कि 1995 की बाढ़ के बाद उन सड़कों की तरफ आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया, इसलिए यह सरकार तो कुछ सोचे।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं स्वास्थ्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि इन्होंने मुख्य मंत्री महोदय से मिलकर एक अस्पताल टेक ओवर किया था तो 5 साल से बंद पड़ा था, उसकी आज मेंटिनेंस नहीं हो रही है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से उनसे प्रार्थना है कि उसकी मेटिनेंस करवाएं। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। मैं जल्दर ही अपनी बात पूरी कर लूंगा। ये विपक्ष के भाई बोलकर बड़े खु ा हो रहे थे लेकिन इनको ये मालूम नहीं कि हरियाणा की जनता इनके द्वारा किए गए गलत कार्यों को आज तक नहीं भूली है। हरियाणा की जनता मौजूदा सरकार द्वारा किए गए अथवा किए जा रहे अच्छे कार्यों को भी भूलने वाली नहीं है, इसका प्रतिफल वह अव य देगी। विपक्ष के साथियों ने लोगों की क्या हालत कर दी थी, वह बात आज तक नहीं भुलाई गई है इसलिए अब क्रांति/भ्रांति यात्रा करने का कोई फायदा नहीं है। सु ीला जैसे कांडों को आज तक भुलाया नहीं गया है। इन्होंने लोगों को जैसे डुबोया था, उसको भी जनता नहीं भूली है। इनके

ऐसे कारनामों की वजह से ही जनता ने इनके सिर्फ 9 सदस्यों को ही चुनकर यहां भेजा है। आज प्रदे ा के अंदर बड़ी राजनैतिक उथल–पुथल हो रही है। और मेरे विपक्ष के भाई बड़े आराम से बैठे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं दावे के साथ इस हाउस में कहता हूं कि जब 6 महीने के बाद पूरे हरियाणा प्रदे ा में बिजली, सड़कों नहरों और पीने का पानी की व्यवस्था हो जायेगी तब मेरे विपक्ष के भाई हमारे नजदीक भी नहीं पहुंच सकेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं वित्त मंत्री महोदय का एक बार फिर धन्यवादी हूं कि उन्होंने बहुत ही अच्छा और कर रहित बजट पे ा किया है। जयहिन्द।

वित्त मंत्री (श्री चरण दास): उपाध्यक्ष महोदय, मैंने इस गरिमामय सदन में वर्श 1999–2000 का बजट अनुमान 3 फरवरी, 1999 को प्रस्तुत किया था। इस बजट में जनता के ऊपर कोई भी नया कर नहीं लगाया गया है। यह एक कल्याणकारी बजट है। समाज के हर वर्ग के हित को देखते हुए, यह बजट बनाया गया है। इस बजट से समाज के हर वर्ग को फायदा होगा। उपाध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र के अंदर विपक्ष के नेताओं की अहम भूमिका होती है, किन्तु इस सदन के विपक्षी दलों ने कोई रचनात्मक भूमिका अदा नहीं की। जब भी सदन की कार्यवाही चली तो विपक्षी दलों ने उसमें विघ्न डाला और हाउस छोड़कर चले गये। उपाध्यक्ष महोदय, जनता अपना उम्मीदवार यही सोचकर चुनती है कि वह उनकी समस्याओं को सदन में रखेगा लेकिन मेरे विपक्ष के भाईयों ने हमें जनता की कोई भी समस्या नहीं बताई और न ही अपने

विचार इस सदन में रखे। अगर मेरे विपक्ष के भाई अपने सुझाव हाउस में रखते तो सरकार उनको सुनने के लिए तैयार थी और अगर इनके सुझाव अच्छे होते तो उन्हें मानती भी। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी हाउस में नहीं बोले, पता नहीं क्या कारण था उन्होंने 5 तारीख को एक प्रैस नोट जारी किया है? जो सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि चालू वर्श 1998–99 में केन्द्रीय सहायता में लगभग 354 करोड़ रुपये की भारी कमी हुई है और केन्द्रीय करों में राज्य के हिस्से में लगभग 127 करोड़ रुपये की कमी होने की संभावना है। उपाध्यक्ष महोदय, इस वर्श सरकार ने नगरपालिकाओं के कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए 8 करोड़ रुपये दिये हैं, पुलिस बल को सुदृढ़ बनानेके लिए 8.48 करोड़ रुपये दिये हैं, मोलासिज को कंट्रोल करने के लिए 7 करोड़ रुपये दिये गये हैं और स्वतंत्रता सेनानियों को पें ान में बढ़ोतरी करने के लिए 1. 75 करोड़ रुपये दिये गये हैं। इस तरह से सरकार को इस वर्श कुछ अतिरिक्त खर्चे करने पड़े। इन कारणों से वर्श 1998–99 में 2260 करोड़ रुपये के अनुमोदित योजना खर्च पर पुनर्विचार करके इसको 1800 करोड़ रुपये कर दिया गया है जो पिछले वर्श 1997–98 के बजट से 44 प्रति ात अधिक है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि राज्य सरकार ने वार्शिक योजना 1999–2000 के लिए 2300 करोड़ रुपये निर्धारित किये हैं, जिसके लिए निर्णय योजना आयोग के साथ अधिकारियों

के स्तर पर हुई बैठक में किया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, आपने भी अखबारों में पढ़ा होगा कि विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने एक बात उठाई है कि यह बजट प्लानिंग कमी ान से मंजूर नहीं करवाया गया। लेकिन मैं उनको आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि 20 जुलाई को जो बजट हमने पे ा किया था उसके बारे में भी सितम्बर में प्लानिंग कमी ान से बात हुई थी। इसी तरह से इस वर्श के बजट के बारे में भी बात कर ली जायेगी। उपाध्यक्ष महोदय, इस वर्श के बजट पर हम सभी ने मंथन करके अपनी स्टेट के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जो खर्च करना है वह इस प्रकार से है कि इस वर्श सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण के लिए 581 करोड़ रुपये, बिजली के लिए 500.80 करोड़ रुपये, रोड़ज और ब्रिजिज तथा एक्सटैन्‍ ान ऑफ ट्रान्सपोर्ट सर्विसिज के लिए 390.20 करोड़ रुपये तथा एक्सटैन्‍ ान ऑफ सो ाल सर्विसिज के लिए 525.43 करोड़ रुपये रखा गया है। इसके अतिरिक्त जनरल, टैक्नीकल तथा वोके ानल एजुके ान के लिए 206.21 करोड़ रुपये और ड्रिंकिंग सप्लाई तथा सैनिटे ान के लिए 63.00 करोड़ रुपया रखा गया है। स्वास्थ्य सेवाओं एवं मैडीकल एजुके ान के लिये 53.27 करोड़ और नगरपालिकाओं के अन्तर्गत भाहरी सुधार के लिये 34 करोड़ रुपये रखे गये हैं। ग्रामीण एवं वि ोश क्षेत्रीय विकास के लिये 68.05 करोड़ रुपये तथा कृशि एवं सम्बद्ध सेवाओं के विस्तार के लिये 118.08 करोड़ रुपये रखे गये हैं। उद्योग हेतु 71.39 करोड़ एवं सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याणकारी स्कीमों के लिये 135.45 करोड़ रुपये और अन्य

सेवाओं के लिये 45.05 करोड़ रुपये रखे गये हैं। मैंने विस्तार से यहां पर प्राप्ति और खर्चे बता दिये हैं। इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी एक डायनैमिक लीडर हैं उनके साथ तथा हमारे जो सुलझे हुये मंत्री गण हैं, उन सब के साथ बैठकर विचार–विम र्ा किया और स्टेट की हालत को देखकर हर चीज को ध्यान में रखकर ही हमने आपके सामने यह बजट पे ा किया है। उपाध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने बिजली के बारे में कहा है कि बिजली का उत्पादन कम हुआ है लेकिन मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि वर्श 1994–95 में 7017 मिलियन यूनिट पैदा हुई थी, जबकि हमारी सरकार ने 7123 मिलियन यूनिट पैदा की है जो कि तुलनात्मक दृश्टि से 113 मिलियन यूनिट अधिक है। हमने बिजली का सुधारीकरण किया है और यह लक्ष्य लेकर चले हैं कि बिजली पूरी देंगे। इसी प्रकार से बिजली के मैगावाट बारे में सवाल किया गया मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि पिछले टाईम में 3.98 मिलियन मैगावाट बिजली का उत्पादन हुआ था जबकि हमारे टाईम में 4.00 मिलियन मैगावाट बिजली का उत्पादन हुआ है। जिस तरह से हमने उत्पादन बढ़ाया है उसी तरह से हर रोज औसतन 371 लाख यूनिट बिजली दे भी रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, भारत एक कृशि प्रधान दे ा है और इन सब हालात को देखते हुए यह जरूरी है कि बिजली, पानी और बीज की मार्किट बनाकर किसान को दी जाये ताकि वह उत्पादन बढ़ा सकें, तभी किसान खु ाहाल होगा और हमारी इकोनोमी की स्पीड भी बढ़ सकेगी

एवं विकास के काम नजर आयेंगे। बिजली के बारे में हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने बताया कि कुद 863 मैगावाट बिजली पैदा हुई और 1200 मैगावाट नई बिजली पैदा करने जा रहे हैं और वह फरीदाबाद में `ग्स पर आधारित तापीय बिजली केन्द्र से तथा पानीपत में 210 मैगावाट की इकाई को पुनः आरम्भ करने और पानीपत में ही चार ईकाईयों को पुनः कार्योपयोगी बनाने से उत्पादित करने जा रहे हैं। हम समय पर बिजली पैदा करेंगे और 24 घण्टे पूरी बिजली देने का प्रयास भी करेंगे। बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं के बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हमने वर्श 1998–99 में 511.99 करोड़ रुपये के व्यय का लक्ष्य रखा है जिसमें से 348.06 करोड़ रुपये ऐक्स्टर्नल ऐड मिलेगी लेकिन विपक्ष के नेता श्री ओम प्रका ा चौटाला कहते हैं कि हमें यह बाहरी सहायता नहीं मिलेगी लेकिन मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि डब्ल्यू0आर0सी0पी0 परियोजना के तहत हथनी कुण्ड बैराज बनाने का काम तेजी से चल रहा है और उस पर 113.90 करोड़ रुपये खर्च भी हो चुके हैं तथा कुल 219.90 करोड़ रुपये इस पर खर्च होने हैं। उनका यह भी कहना है कि इससे कोई लाभ होने वाला नहीं है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनको आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि इस परियोजना के पूरा होने से जो पानी की उपलब्धता की कैपेसिटी है वह 16000 क्यूसिक से बढ़कर 20000 क्यूसिक तक हो जायेगी और सीजन में हर छोर तक पानी पहुंचेगा। उपाध्यक्ष महोदय, भाखड़ा नहर से और नरवाना भााखा से हमें पानी मिलता है और इस जल क्षमता को

बहाल करने के लिये हमने पंजाब सरकार को 10.84 करोड़ रुपये दिये हैं जिसमें इस साल के 4.64 करोड़ रुपये भी भाामिल हैं। उसके परिणाम आने भाुरू हो गये हैं। पंजाब सरकार को यह पैसा इसलिये देते हैं कि वे नहरों से गाद निकलवाते हैं, उनकी सफाई करवाते हैं जिससे कि हमें 500 क्यूसिक पानी मिल चुका है और बाकी का पूरा पानी लेने का हम प्रयास करेंगे। एस0वाई0एल0 कैनाल के बारे में बहुत बातें होती हैं। हमारा पूरा प्रयत्न है कि हमें एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी मिले। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि रिवाड़ी की लिफ्ट इरीगे ान स्कीम नवार्ड से मंजूर हो चुकी है। उस स्कीम पर 39. 06 करोड़ रुपया खर्च होना है। आगरा कैनाल का कंट्रोल यू0पी0 के हाथ में था। उसकी सफाई के बाद पलवल और उसके आस पास के इलाकों को पानी मिला है। इसी तरह से कृशि क्षेत्र के अन्दर कोआप्रेटिव के माध्यम से किसान भाइयों को जो लोन 16 परसैंट इंट्रस्ट पर दिया जाता था अब वह घटा कर 14 परसैंट कर दिया है जिससे 31 करोड़ रुपये की बचत होगी। उपाध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण विभाग के बारे में डाक्टर कमला वर्मा जी ने विस्तार से बताया। पीने के पानी के बरे में जगन नाथ जी ने विस्तार से बताया और एजुके ान के बारे में राम बिलास भार्मा जी ने विस्तार से बताया। वर्श 1997–98 की वार्शिक योजना 1576.04 करोड़ रुपए की थी और उसके बारे में में ओम प्रका ा चौटाला और दूसरे विपक्ष के भाइयों ने क्रिटिसाइज किया था। जब जवाब देने का मौका आया तो वे हाउस से गुम पाए गए। इस तरह से

1998–99 के बजट पर विपक्ष वाले कुछ देर के लिए बोले और उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के लिए इस बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। जब उनको इसका जवाब दिया गया कि कर्मचारियों के लिए 1791.62 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है तो वे दवाइयों के बारे में बात कहने लग गए। आपने उस दिन भी देखा कि किस तरह से विपक्ष के भाई हाउस के अन्दर भाोर मचाने लगे और माइक तोड़ने लगे। उस बात का असर हमारे ऊपर ही नहीं बल्कि आने वाली जनरे ान पर भी पड़ेगा। हम केवल इसी बजट का जवाब नहीं बल्कि आगे आने वाले दो सालों के बजट का भी जवाब देंगे। हम अपने पांच साल पूरे करेंगे। हमने जनता से जितने वायदे किए हैं, उन सबको पूरा करेंगे। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, लॉ एंड आर्डर के बारे में हमने होम मिनिस्टर साहब ने आंकड़ों के साथ विस्तार से बताया। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी ने भी बताया और उन्होंने यह बात मानी कि कारों की चोरियां कुछ ज्यादा हुई हैं। कारें ज्यादा चोरी होने का यह भी कारण था कि लोग अपनी कारों को सड़कों पर खड़ी करके चले जाते हैं। क्योंकि कारें ज्यादा हो गई हैं और उनको घरों में खडी करनेके लिए जगह नहीं है इसलिए घर से बाहर खड़ी करते हैं और चोर उनको ले कर भाग जाते हैं। पुलिस ने कार चोरों को पकड़ने की कोि ा ा भी की है। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, जब क्राइम की बात होती है तो पोलिटिकल क्राइम के बारे में ज्यादा चर्चा होती है। अध्यक्ष महोदय, प्रोपर्टी डिसप्लूट, फैमिली डिसप्यूट, ओल्ड एनिमिटी इस

तरह से कई कारण हैं, जिनसे क्राइम हो जाते हैं। हमारे ओफिसर्ज को उन क्राइम्ज को सोल्व करने के लिए एक थ्यूरी बना कर चलना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, हम चाहें जितना मर्जी सख्त कानून बना दें जब तक उसके बारे में जनता का सहयोग नहीं मिलेगा, हमें सफलता नहीं मिलेगी। ओम प्रका ा चौटाला जी ने कहा कि प्रदे ा की पर कैपिटा इंकम घटती जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि स्थिर मूल्यों पर वर्श 1995–96 के मुकाबले 1997–98 में प्रति व्यक्ति आय में 8.6 प्रति ात की वृद्धि हुई है। इसी तरह से सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 12.4 प्रति ात की वृद्धि हुई है। एक बात ओम प्रका ा चौटाल जी ने और कही कि भ्रश्टाचार की वजह से कॉमर् ियल टैक्स कम हुए हैं। पता नहीं वे कहां से पढ़ कर आते हैं कहां से नहीं? एक अप्रैल से दिसम्बर तक 1383 करोड़ रुपए खजाने में आए हैं। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले साल इस समय तक 1337 करोड़ रुपये खजाने में थे। इस मद में वृद्धि हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस हाउस में बैठने के बाद सत्ता पक्ष में बैठने की लालसा हर कोई करता है लेकिन फ्रस्ट्रे ान के अन्दर ऐसी बात करना, जैसी उन विपक्ष के साथियों ने की, ााोभा नहीं देता। कांग्रेस के भी साथी अच्छे सुझाव दे सकते थे। हम सभी बैठकर अपने साथियों के सुझाव सुनते ताकि सरकार को भी पता लग सके कि कहां पर क्या काम होना है। अच्छे सुझाव आएंगे तो उससे स्टेट का लाभ होगा। कुछ साथियों ने बजट पर अपने सुझाव दिए और इस बजट की सराहना भी की। इन्फ्रास्ट्रक्चर और

बिजली के बारे में अपने अपने हल्कों से संबंधित जो सुझाव हमारे माननीय सदस्यों ने दिए हैं, उन पर हम योजना बनाते समय विचार कर लेंगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथियों को यह आरोप गलत है कि हम उनके साथ भेदभाव रखते हैं। कोई भी पॉलिसी सारी स्टेट के लिए बनती है किसी पर्टिकुलर कांस्टीच्युएंसी के लिए नहीं बनती। विपक्ष के भाई भले ही हाउस में नहीं बैठे हैं, यदि वे लिख कर हमें कोई सुझाव देंगे तो हम उनके सुझावों पर अव य विचार करेंगे। हमारी स्टेट की हालत दूसरी स्टेटों से फार बैटर है। हमारी स्टेट डिवैल्पिंग स्टेट है। जब कोई स्टेट डिवैल्पिंग स्टेज पर होती है तो उसे विकास के लिए पैसे की आव यकता होती है, जिसके लिए सकरार प्रबनध कर रही है। हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। यहां पर कोई भी सरकार आ जाए, कृशि का विरोध नहीं कर सकती। हमारी आव यकता कृशि पर आधारित है। जब हमी कृशि की पैदावार पहले से दुगुनी हो जायेगी तो लोग अपने मकान भी अच्छे बनायेंगे, अपने बच्चों को अच्छी तालीम दे पाएंगे, अच्छे उद्योग यहां पर लगेंगे। परिणामस्वरूप बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार भी मिलेगा।

स्पीकर साहब, हर विधायक ने अपनी योग्यातानुसार यहां पर विचार रखे हैं, मैं उनको बधाई देता हूं और उनका अभार प्रकट करता हूं। अन्त में मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है कि

सदन में वर्श 1999–2000 के जो बजट अनुमान पे ा किए गए हैं उनका अनुमोदन किया जाये। धन्यवाद।

बिल्ज–

(i) दि पंजाब विलेज कॉमन लैण्डज (रैगुले ान) हरियाणा अमैंडमैंट बिल, 1999

Mr. Speaker: Now, a Minister will introduce the Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to introduce the Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1999.

Sir, I also move-

That the Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister of State for Public Relations will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(ii) दि हरियाणा लोक पाल (अमैंडमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will introduce the Haryana Lokpal (Amendment) Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to introduce the Haryana Lokpal (Amendment) Bill, 1999.

Sir, I also move-

That the Haryana Lokpal (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Lokpal (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Lokpal (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is -

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iii) दि पंजाब ऐक्साइज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker: Now, a Minister will introduce the Punjab Excise (Haryana Amendment) Bill, 1999, and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to introduce the Punjab Excise (Haryana Amendment) Bill, 1999. Sir I also move-

That the Punjab (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iv) दि पंजाब वेयर हाउसिज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will introduce the Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to introduce the Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, 1999.

Sir, I also move-

That the Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय द्वारा पंजाब भाण्डागार (हरियाणा सं ोधन) विधेयक, 1999 लाले हेतु धन्यवाद करता हूं। जैसा कि आपको भी विदित है कि यह मांग पिछले

काफी समय से लम्बित थी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के किसान जब इन भाण्डागारों में अपना उत्पादन रखने जाते थे तो उनको कोई सुविधा नहीं दी जाती थी। किसान को किसी भी समय जब धन की जरूरत पड़ जाती थी तो उसके लिए इन भाण्डागारों में कोई प्रावधान नहीं था। यह पहली बार हुआ है जो किसान अपना उत्पादन भाण्डागारों में जमा करवाएंगे उनको उत्पादन का 75 प्रति ात लोन मिल सकेगा। हरियाणा के किसानों को पहली बार यह बहुत ही अच्छी सुविधा मिलने जा रही है। इसके लिए मैं एक बार फिर चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करता हूं।

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

(v) गुरू जम्भे वर युनिवर्सिटी हिसार (अमैंडमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will introduce the Guru Jambeshwar University, Hisar (Amendment) Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं गुरू जम्भे वर युनिवर्सिटी, हिसार (सं ोधन) विधेयक, 1999 प्रस्तुत करता हूं। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं कि–

गुरू जम्भे वर युनिवर्सिटी, हिसार (सं ोधन) विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Guru Jambeshwar University, Hisar (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Guru Jambeshwar University, Hisar (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Guru Jambeshwar University, Hisar (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Bill be passed.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाये।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, राश्ट्रपति जी की आब्जर्वे ान थी कि इस तरह से युनिवर्सिटी का बिल होना चाहिए, इसलिए राश्ट्रपति जी की आब्जर्वे ान की लाईट में हम यह बिल लाए हैं।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House stands ajourned till 2.00 P.M., tomorrow.

***3.56.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Tuesday, the 9th February, 1999).